1/04/19

पाठ - 1

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन' विधा - कविता

कविता से

प्र.1) हर तरह की सुख-सुविधा पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर) हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद इसलिए नहीं रहना चाहते क्योंकि मनुष्यों की तरह उन्हें भी आज़ादी प्यारी है। भगवान ने ~~उन्हें~~ उन्हें पंख दिए हैं, उड़ना उनका स्वभाव है। वे भी स्वतंत्र होकर उड़ना चाहते हैं।

प्र.2) पक्षी ~~उन्मु~~ उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

उत्तर) पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी निम्नलिखित इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं :-

1) ~~वे~~ वे खुद भोजन तलाश कर खाना चाहते हैं।

2) वे नदी-नालों, झरनों आदि का बहता पानी पीना चाहते हैं।

Scanned with CamScanner

Date
Page
26

3) वे पेड़ों की फुनगी पर बैठ झूला झूलना चाहते हैं।

4) वे ऊँची उड़ान भर क्षितिज को छूना चाहते हैं।

प्र.3) भाव स्पष्ट कीजिए -

था तो क्षितिज मिलन कर जाता / था तनती साँसों की डोरी।

उत्तर) प्रस्तुत पंक्तियों में बताया गया है कि पक्षियों को भी आज़ादी प्यारी है। अगर वे आज़ाद होते तो क्षितिज को छूने का प्रयत्न करते। अपने इस प्रयास में या तो वह सफल हो जाते या अपनी साँसों को त्याग देते।

भाषा की बात

प्र.1) विशेषण ढूँढ कर भेद लिखिए -

स्वर्ण श्रृंखला - गुणवाचक विशेषण
लाल किरण - गुणवाचक विशेषण
कनक कटोरी - गुणवाचक विशेषण
पुलकित पंख - ~~[illegible]~~ गुणवाचक विशेषण
नीला नभ - गुणवाचक विशेषण

26/6/19

पाठ - 4

कठपुतली

Date ____
Page ____

कवि - भवानीप्रसाद मिश्र   विधा - कविता

प्र.1 कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उ. दूसरों के इशारों पर नाचते - नाचते कठपुतली परेशान हो चुकी थी। वह भी आज़ाद होना चाहती थी। अपने मन - मुताबिक जीना चाहती थी। इसलिए वह एक दिन गुस्से से उबल कर बोली कि उसे धागों से बाँधकर क्यों रखा गया है, उसके ये धागे तोड़कर आज़ाद कर दो।

प्र.2 कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

उ जब पहली कठपुतली स्वतंत्र होने की इच्छा प्रकट करती है तो अन्य कठपुतलियाँ भी उसकी हाँ में हाँ मिलाती है तो पहली कठपुतली घबरा जाती है क्योंकि साहस और आत्मविश्वास की कमी के कारण वह अन्य कठपुतलियों की जिम्मेदारी लेने से घबराती है इसलिए सोच समझकर ही कोई कदम उठाना उचित समझती है।

प्र.3 पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को

Scanned with CamScanner

क्यों अच्छी लगी?

3. पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को इसलिए अच्छी लगी क्योंकि वे सब भी आज़ाद होकर अपने पाँवों पर खड़ी होना चाहती थी तथा अपने मन-मुताबिक जीवन जीना चाहती थी।

भाषा की बात

प्र.। निम्नलिखित शब्दों से दो-दो शब्द बनाओ:-

1. काठ - कठ :- कठपुतली, कठगुलाब
2. सोना - सोन :- सोनचिड़िया, सोनपरी
3. मिट्टी - मट :- मटका, मटमैला
4. हाथ - हथ :- हथकड़ी, हथगोला

कविता से आगे

प्र.। नीचे दो स्वतंत्रता आंदोलन के वर्ष दिए गए हैं। इन दोनों आंदोलनों के दो-दो ~~स्व~~ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखिए।

सन ~~ß~~ 1857 - रानी लक्ष्मी बाई, मंगल पाण्डेय
सन 1942 - सरदार भगतसिंह, चंद्रशेखर ~~आद~~ आज़ाद

8/7/20

08/04/2019

मुहावरे

(1) अँगूठा दिखाना -

अर्थ - किसी कार्य के लिए स्पष्ट मना कर देना
वाक्य - आदिति ने कुछ समय के लिए मोहित की पुस्तकें माँगी मगर उसने अँगूठा दिखा दिया।

(2) अंग - अंग ढीला होना → थक जाना

दिनभर काम करके मेरा अंग - अंग ढीला हो गया।

(3) अंगारे उगलना → कठोरता या क्रोध दिखाने वाली बातें करना

ऋषिवर

लक्ष्मण की व्यंगभरी बातें सुनकर परशुराम विश्वमित्र से बोले - ऋषिवर देखो, तुम्हारा यह शिष्य कैसे अंगारे उगल रहा है?

(4) अंधों में काना राजा → मूर्खों में थोड़ा चतुर / ज्ञानी या जानकार

गणेश शहर से चार अक्षर क्या पढ़ आया है, अंधों में काना राजा बना हुआ है।

(5) अक्ल पर पत्थर पड़ना → बुद्धि भ्रष्ट होना

तुम्हारे जैसे बेईमान को मैंने इतने रुपए उधार दे दिए, उस समय मेरी अक्ल पर पत्थर पड़ गए थे।

Scanned with CamScanner

Date
Page

(6) अक्ल का अंधा → बेवकूफ होना

तुम अक्ल के अंधे थे, जो उसकी बातों में आकर अपनी साईकल बेच आए।

(7) अपना उल्लू सीधा करना → अपना मतलब निकालना

आजकल हर आदमी अपना उल्लू सीधा करने में लगा है।

(8) आँख लगना - नींद आना

मेरी आँख क्या लग गई कि निंद्र घर से नदारद हो गया।

(9) अपनी खिचड़ी अलग पकाना - अलग रहना

कहने को परिवार एक है, पर सब अपनी खिचड़ी अलग पकाने में लगे हैं।

(10) अपने पैरों पर खड़ा होना - स्वावलंबी बनना

कब तक चाचा के घर रोटियाँ तोड़ते रहोगे, कुछ काम धंधा शुरू करो और अपने पैर पर खड़े हो।

Scanned with CamScanner

Date ____
Page ____

(11) आँखे खुलना - गलती का अहसास होना

विदूया ने गोलू के बारे में उसके पिता से कितनी बात करने की कोशिश, मगर वह बात करने को तैयार नहीं थे। अब गोलू फेल हो गया तो उनकी आँखे खुली है।

(12) आँखों में धूल झोंकना - धोखा देना

उसका छोटा भाई चिकनी-चुपड़ी बातें करके उसकी आँखों में धूल झोंकता रहा और मौका पाते ही अब घर से भाग गया।

(13) आकाश के तारे तोड़ना - असंभव काम करना

आई. ए. एस की परीक्षा में प्रथम आना आकाश के तारे तोड़ने जैसा है।

(14) आसमान सिर पर उठाना - बहुत शोर करना

आजकल छुट्टियाँ है, बच्चे दिनभर आसमान सिर पर उठाए रखते हैं।

Scanned with CamScanner

(13) आग में घी डालना - क्रोध व झगड़े को भड़काना

कारोबार में ~~धोक~~ घोखा होने से पिता जी वैसे ही गुस्से में थे, भाई ने बटवाँरा की बात करके आग में घी डाल दी।

9.4.18

Scanned with CamScanner

9/4/19

Date
Page

पत्र

~~श्रु~~ श्रीमान प्रधानाचार्य
दिल्ली पब्लिक स्कूल
भिलाई।

9 ~~अगस्त~~ अप्रेल, 2019

विषय: अवकाश के लिए आवेदन

महोदय,
निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा सातवीं 'ड' का एक छात्र हूँ। कल स्कूल से लौटते वक्त मैं एक पत्थर से ठोकर खा गया जिसके कारण मेरे पैर में गहरी चोट लग गई है। मैं चल पाने में असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने चार दिन तक चलने-फिरने के लिए मना किया है और पूर्ण आराम करने की सलाह दी है।

अतः आपसे अनुरोध है कि मुझे 9 अप्रेल, 2019 से 12 अप्रेल, 2019 का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
दर्शित जैन

9.4.19

अनुच्छेद

"जल है तो कल है"

आजकल हमारी सारी ज़िंदगी जल पर निर्भर है। हमारी पानी की ज़रूरतें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। हमारी बहुत-सी पानी की उपयोगिताएँ हैं जैसे ~~पानी~~ पीना, पकाना, आदि। हमारा शरीर 70% पानी का बना हुआ है। हम जो फल, सब्ज़ियाँ आदि खाते हैं, उनको उगाने के लिए भी पानी का उपयोग होता है। हवा में भी पानी होता है। ~~पृथ्वी~~ धरती 70% पानी की बनी हुई। परंतु उसका ~~अ~~ बहुत बड़ा भाग समुद्रों में है जिसमें विभिन्न तरीकों के ~~ब~~ नमक मिले हुए हैं। ~~ह~~ हमारे पास केवल 0.3% साफ पानी है जिसमें केवल ~~के~~ 0.001% पानी नदियों झीलों आदि में है। बचा हुआ भाग में पानी बरफ़ में ~~बर्फ~~ जमा हुआ है। अतः पृथ्वी, भले ही नीला ग्रह है, तब भी यहाँ पानी की कमी है। "जल है तो कल है" कहावत का तात्पर्य यह है कि यदि हम आज जल बचाते हैं तो ही हम कल (भविष्य) देख पाएँगे। अतः हमें जल बचाना चाहिए।

27.5.20

28/06/19 - पाठ - 2 वर्ण - विचार

क) वर्ण किसे कहते हैं?

उ. भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि कहलाती है। भाषा में ध्वनियों के लिए निर्धारित प्रतीक-चिह्न वर्ण कहलाते हैं।

(ख) स्वर और व्यंजन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ.

	स्वर		व्यंजन
1.	इसमें किसी और वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती।	1.	इसके उच्चारण में स्वर की सहायता लेनी पड़ती है।
2.	स्वर स्वतंत्र वर्ण हैं।	2.	व्यंजन स्वरों पर निर्भर है।
3.	इसका उच्चारण करते हुए हवा बिना किसी बाधा के निकलती है।	3.	इसका उच्चारण करते हुए हवा रुककर या रगड़कर निकलती है।
4.	इसकी संख्या 11 है।	4.	इसकी संख्या 33 है।

ग) अनुनासिक और अनुस्वार का अंतर समझाइए।

उ. अनुनासिक ध्वनियाँ वह कहलाती हैं, जिसके उच्चारण के समय हवा नाक और मुँह दोनों से निकलती है।
उदाहरण - चाँद, माँ आदि।

Scanned with CamScanner

Date
Page

अनुस्वार ध्वनियाँ वह कहलाती है जिसके उच्चारण के समय हवा केवल नाक से निकलती है।
उदाहरण - मेंदा, हंस

घ) संयुक्त व्यंजन से क्या तात्पर्य है?

उ. दो भिन्न व्यंजनों के योग से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

उदा - क + ष = क्ष (क्षत्रिय, कक्षा)
त + र = त्र (छात्रा, त्रिशुल)

ङ.) अयोगवाह से क्या तात्पर्य है?

उ. हिंदी वर्णमाला में स्वरों के अंत में दो और वर्ण आते हैं - अं (अनुनासिक) और अः (विसर्ग)। ये स्वर नहीं हैं किंतु इसका उच्चारण स्वर की सहायता से होती है इसलिए ये अयोगवाह कहलाते हैं।

च) अल्पप्राण और महाप्राण का अंतर समझाईए।

उ. अल्पप्राण - जिन व्यंजन के उच्चारण में श्वास वायु कम मात्रा में बाहर निकलती है, वह अल्पप्राण कहलाते हैं।

Scanned with CamScanner

Date
Page

महाप्राण - जिन व्यंजन के उच्चारण में श्वास वायु अधिक मात्रा में बाहर निकलती है, उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं।

~~प्र~~)

ज) 'र' के विभिन्न रूपों के दो-दो उदाहरण दीजिए।

उ. 1) रगड़, बाहर
2) कर्म, धर्म
3) प्रसन्न, प्रयोग
4) ट्रक, ड्रम
5) श्रम, परिश्रम
6) वृक्ष, गृह

झ) द्वित्व व्यंजन के चार उदाहरण दीजिए।

उ. 1) ~~कच्च~~ कच्चा
2) पक्का
3) सम्मान
4) गद्दी

8/10

5/04/2019

पाठ -1 भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

Date ____
Page ____

① भाषा की परिभाषा

भावों और विचारों की अभिव्यक्ति के लिए प्रयुक्त ध्वनियों की व्यवस्था ही भाषा है।

② भाषा के रूप

1) मौखिक भाषा 2) लिखित भाषा

③ भाषा के चार कौशल

1) वाचन (बोलना) कौशल 3) लेखक (लिखना) कौशल
2) ~~श्रव श्रव~~ श्रवण (सुनना) कौशल 4) पठन (पढ़ना) कौशल

④ मौखिक भाषा - अपनी बात को बोलकर प्रकट करना तथा सुनकर समझना भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

उदाहरण - भाषण, बातचीत, वाद-विवाद, कहानी कहना

लिखित भाषा - अपने भावों और विचारों को [सुनना व] लिखकर प्रकट करना

उदा: समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें, ~~कम्प्य~~ कंप्यूटर

⑤ मातृभाषा - घर-परिवार में माता-पिता के साथ बोलकर सीखी जाने वाली भाषा मातृभाषा कहलाती है।

Scanned with CamScanner

राष्ट्रभाषा - राष्ट्रभाषा से आशय, किसी राष्ट्र के अधिकांश लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा से है।

राजभाषा - किसी भी देश अथवा राज्य के राजकाज यानी शासन के लिए स्वीकृत भाषा राज-भाषा होती है।

⑥ हिन्दी को राजभाषा कब बनाया गया ?

उ) 14 ~~सितंबर~~ सितंबर 1949 ई० को भारत के संविधान सभा ने हिन्दी को ~~स्वतंत्र~~ भारत ~~के~~ संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।

⑦ संपर्क भाषा - विभिन्न भाषा-भाषियों के बीच में विचारों के आदान-प्रदान के लिए जो भाषा एक पुल ~~में~~ का काम करती है, उसे संपर्क भाषा कहते हैं।

मानक भाषा - सुशिक्षित एवं विद्वत समाज द्वारा अपनाया जाने वाला भाषा का व्याकरण-सम्मत रूप ही मानक भाषा कहलाता है।

मानक वर्तनी - लिपि और वर्तनी के विभिन्न प्रचलित रूपों के स्थान पर किसी एक रूप का

Scanned with CamScanner

निर्धारण कर देना ही वर्तनी का मानकीकरण कहलाता है। इस मानकीकरण के अंतर्गत निर्धारित वर्तनी को ही मानक वर्तनी कहा जाता है।

* बोली - बोली एक सीमित क्षेत्र के बोलचाल की भाषा का स्थानीय रूप है।

* हिंदी बोलियों में साहित्य रचना :-

	साहित्यकार	साहित्य	भाषा
1)	सूरदास	सूरसागर	ब्रजभाषा
2)	तुलसीदास	श्रीरामचरितमानस	अवधी
3)	मलिक मुहम्मद जायसी	पद्मावत	
4)	विद्यापति	पदावली	मैथिली

* हिंदी भाषा में सम्मिलित बोलियाँ :-

1) पश्चिमी हिंदी - हरियाणवी, खड़ीबोली, बुंदेली, कन्नौजी, ब्रजभाषा
2) पूर्वी हिंदी - अवधी, छत्तीसगढ़ी, बघेली
3) राजस्थानी - मेवाती, हाड़ोती, मारवाड़ी, मेवाड़ी
4) बिहारी - मैथिली, मगही, भोजपुरी
5) पहाड़ी - गढ़वाली, कुमाऊँनी, मंडियाली

Scanned with CamScanner

पाठ - 1 (भाषा)

लिपि - मौखिक ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों की विशेष विधि अथवा ढंग लिपि कहलाता है। लिखने की

* भाषा और उसकी लिपि :-

	भाषा	लिपि		भाषा	लिपि
1)	हिंदी	देवनागरी	7)	मराठी	देवनागरी
2)	संस्कृत	देवनागरी	8)	रूसी	रूसी
3)	अरबी	फ़ारसी	9)	जर्मनी	रोमन
4)	फ्रेंच	रोमन	10)	उर्दू	फ़ारसी
5)	अंग्रेज़ी	रोमन	11)	नेपाली	देवनागरी
6)	पंजाबी	गुरमुखी	12)	स्पेनिश	रोमन

व्याकरण - व्याकरण भाषा का वह शास्त्र है जिससे हम भाषा को शुद्ध लिखना, पढ़ना तथा बोलना सिखाती है।

व्याकरण के अंग

- वर्ण विचार
- शब्द विचार
- वाक्य विचार

* भारतीय ~~संघ~~ संविधान ने 22 भाषाओं को मान्यता दी है।

* अंडामान, निकोबार द्वीपों एवं फ़िजी की राजभाषा हिंदी है।

* Hindi - 2nd largest language of world, Chinese - 3rd

Scanned with CamScanner

साहित्य - किसी भाषा का संचित उपयोगी ज्ञान साहित्य कहलाता है। अनुवाद करम

* साहित्य के प्रकार :-

क) गद्य साहित्य :- जो साहित्य साधारण भाषा तथा सरल वाक्यों में लिखा जाता है वह गद्य साहित्य कहलाता है।

उदा.- निबंध, पत्र, कहानी, उपन्यास, जीवनी आदि

ख) पद्य साहित्य :- लय, तुक, छंद, अलंकार आदि से युक्त साहित्य पद्य साहित्य कहलाता है।

उदा. :- नाट्य काव्य, खंडकाव्य, स्फुट कविता आदि।

(*) प्रेमचंद - कथा सम्राट (साहित्य में)

अभ्यास

Q.1 ग) 1) यह भाषा का स्थाई रूप है।

2) हम अपने ज्ञान के भंडार को लिखकर सुरक्षित रख सकते हैं तथा उसे हमारी भावी पीढ़ी तक पहुँचा सकते हैं।

Scanned with CamScanner